भारत की पहचान गीता से है-राज्यपाल 19-3-2017

करनाल 19 मार्च, हरियाणा के राज्यपाल महामहिम प्रो0 कप्तान सिंह सौलंकी ने कहा कि पूरे विश्व में भारत की पहचान गीता से है, गीता में लिखे गए विचारों को अपने जीवन और अपनी सोच में उतार कर जीयेगे तो जीवन जीने की सही पद्धति का हमें ज्ञान होगा। महामहिम राज्यपाल रविवार को स्थानीय गोल्डन मोमंट के सभागार में जीओ गीता चिकित्सा प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित चिकित्सा सेवा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र की प्रेरणा विषय पर एक दिवसीय सेमिनार को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने गीता श्लोकों पर आधारित सात दिनों के सात विचार किट का लोकार्पण भी किया।

एक दिवसीय सेमिनार में पहुंचे चिकित्सकों को सम्बोधित करते हुए महामहिम राज्यपाल ने कहा कि हम सभी समाज के बल पर जीते है, समाज नही होता तो हमारी पढ़ाई नही होती, हम डाक्टर नही बन पाते , इसलिए हमारा भी नैतिक कर्तव्य है कि हम समाज सेवा के क्षेत्र में अपना योगदान दें। भारत एक ऐसा देश है जहां आदमी नर के रूप में पैदा होता है और यहां की जीवन पद्धति को अपनाकर वह नारायण भी बन सकता है। आज के परिवेश में हर व्यक्ति प्रसन्न व सुखी रहना चाहता है, प्रसन्न व सुखी रहने के लिए स्वतन्त्रता, शान्ति तथा समृद्धि तीनों चीजे चाहिए। यह तीनों चीजे हमें जीवन जीने के ढंग से प्राप्त होगी। जीवन जीने की सही पद्धति का ज्ञान हमें श्रीमदभगवत गीता से मिलता है। जीवन में उमंग तभी होगी, जब हम गीता के संग जीएगे।

राज्यपाल ने कहा कि मनुष्य कोई मशीन नही है। इंसान की इच्छाए कभी भी खत्म नही होती है। ईश्वर को पाने के लिए मनुष्य को इंद्रीयों को काबू करके इच्छाओं पर नियंत्रण करना चाहिए तभी सही मायनों में मोक्ष की प्राप्ति होगी यही सुख का मार्ग है। निष्काम भाव से जीने का ढंग हमें गीता ही सीखाती है। इंसान को शरीर,मन, बुद्धि तथा आत्मा के दरवाजे हमेशा खुले रखने चाहिए। उन्होंने कहा कि इंसान का जीने का ढंग बिगडने से ही डाक्टरों की जरूरत पडती है। चिकित्सकों को रोगी की मनोस्थिति समझनी चाहिए तथा उसी के अनुसार उसका ईलाज करना चाहिए। मनोस्थिति को पहचाने वाला ही सही मायने में डाक्टर होता है। इस धरती पर डाक्टर को दूसरे भगवान के रूप में भी जाना जाता है इसलिए सभी चिकित्सकों को सेवाभाव से कार्य करना चाहिए।

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द जी महाराज ने कहा कि रोगी की मुस्कान में भगवान की मुस्कान महसूस करे तभी मानवता और भगवान मुस्कराएगें। गीता चिकित्सक है रोगी के लिए एक प्रेरणा है। गीता में हर तरह का उपचार है। जब अर्जुन मनोरोग की स्थिति में पहुंच गए थे तब भगवान श्रीकृष्ण ने मनो चिकित्सक बनकर उन्हें गीता ज्ञान का संदेश दिया था। सभी चिकित्सकों को यह सोचना चाहिए कि रोगी मेरे लिए बना है या भगवान ने मुझे रोगी के लिए चिकित्सक बनाया है। रोगी के प्रति सदैव डाक्टर का व्यवहार मुस्कराता हुए होना चाहिए। अपने नीजि लाभ के बारे में ना सोचकर केवल मानवता की बात करके अपने जीवन में व्यवसाय का आनन्द लें। स्वामी जी ने कहा कि भविष्य में इस तरह के सेमिनारों का आयोजन प्रत्येक जिला मेंे करके चिकित्सकों को सेवा भाव के क्षेत्र से जोडा जाएगा।

इस मौके पर मुख्य संसदीय सचिव डा. कमल गुप्ता ने कहा कि जीवन जीने का सही तरीका गीता ज्ञान से हमें मिलता है। कलयुग में हम अर्जुन है और गीता ज्ञान से ही हम सही मार्ग पर चलकर ही अपने जीवन को सफल बना सकते है। हम सबको अपनी वाणी शुद्ध रखकर ही जीवन जीना चाहिए। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आम जन को स्वास्थ्य लाभ देने के लिए नई स्वास्थ्य पॉलिसी बनाई है, जिससे हर व्यक्ति लाभान्वित होगा। प्रदेश सरकार भी अन्तोदय की भावना से काम कर रही है। सेमिनार में हिमाचल प्रदेश के नाहन क्षेत्र से विधायक एवं पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डा. राजीव बिंदल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गीता ज्ञान के द्वारा हर प्रकार का ईलाज सम्भव है। प्रसन्नता, आत्मियता और ज्ञान हमें गीता के माध्यम से ही प्राप्त हो सकता है। चिकित्सकों को समाज कल्याण का भाव लेकर चलना चाहिए। गीता हमारा हर क्षेत्र में मार्ग दर्शन करती है।

इस अवसर पर स्वामी शंकरानन्द, नगर निगम की मेयर रेनू बाला गुप्ता, शुगर फैड के चेयरमैन चंद्र प्रकाश कथूरिया, कुरूक्षेत्र विकास बोर्ड के मानद सचिव अशोक सुखिजा, पूर्व गृह राज्य मंत्री आईडी स्वामी, बाल कल्याण परिषद की मानद सचिव संतोष अत्रेजा, पूर्व मंत्री शशी पाल मेहता, समाजसेवी पंकज भारती, बीजेपी प्रवक्ता जगमोहन आनन्द, डा. सतीश खट्टर, डा. प्रवीन मल्होत्रा, डा. सम्राट, श्याम बत्तरा, अनिता बिरला, रजनीश कपूर, डा. मोहित, औम प्रकाश उपाध्य, डा. अंजू, राजेश कुमार, अशोक भंडारी, सुभाष गोयल, सतीश राणा, रघुमल भट्ट तथा प्रशासन की ओर से उपायुक्त मंदीप सिंह बराड, एसपी जशनदीप सिंह रंधावा, एडीसी डा. प्रियंका सोनी, एसीयुटी प्रिती सहित अन्य मौजूद थे।

बाक्स

सेमिनार में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत मिशन के सलाहकार डा. योगेन्द्र मलिक ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल का संदेश पढक़र सुनाया। जिसमें सीएम ने कहा कि चिकित्सा सेवा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र की प्रेरणा विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन अनूठी आदर्श एवं व्यवहारिक पहल है। भौतिकता एवं उपभोक्तावाद के चलते अवसाद, विसाद, तनाव, विचारों एवं रोग ने चिकित्सा क्षेत्र की महत्ता को धूरी पर ला खडा किया है। स्वामी ज्ञानानन्द जी महाराज गीता में निहित प्रदत्त प्रेरणाओं को संकलित करके जीओ गीता के माध्यम से समप्रेषण व प्रचार में जुटे है यह मानवता के लिए अदभूत योगदान है। चिकित्सक पीड़ा व रोग से ग्रसित जन के लिए गीता प्रेरणा को आत्मसात करके समर्पित भाव से अनासक्त कर्म का मार्ग अपनाएगें तो यह राष्ट्र के लिए नही बल्कि विश्व भर के चिकित्सकों के लिए उदाहरण होगा। अपने संदेश के माध्यम से मुख्यमंत्री ने सभी चिकित्सों से आह्वान किया कि अपने व्यवसाय के प्रति निष्ठा तथा गीता ज्ञान को ग्रहण करके अपने व्यवसाय में और बेहतर योगदान दें।

श्री कृष्ण कृप

श्री कृष्ण कृपा

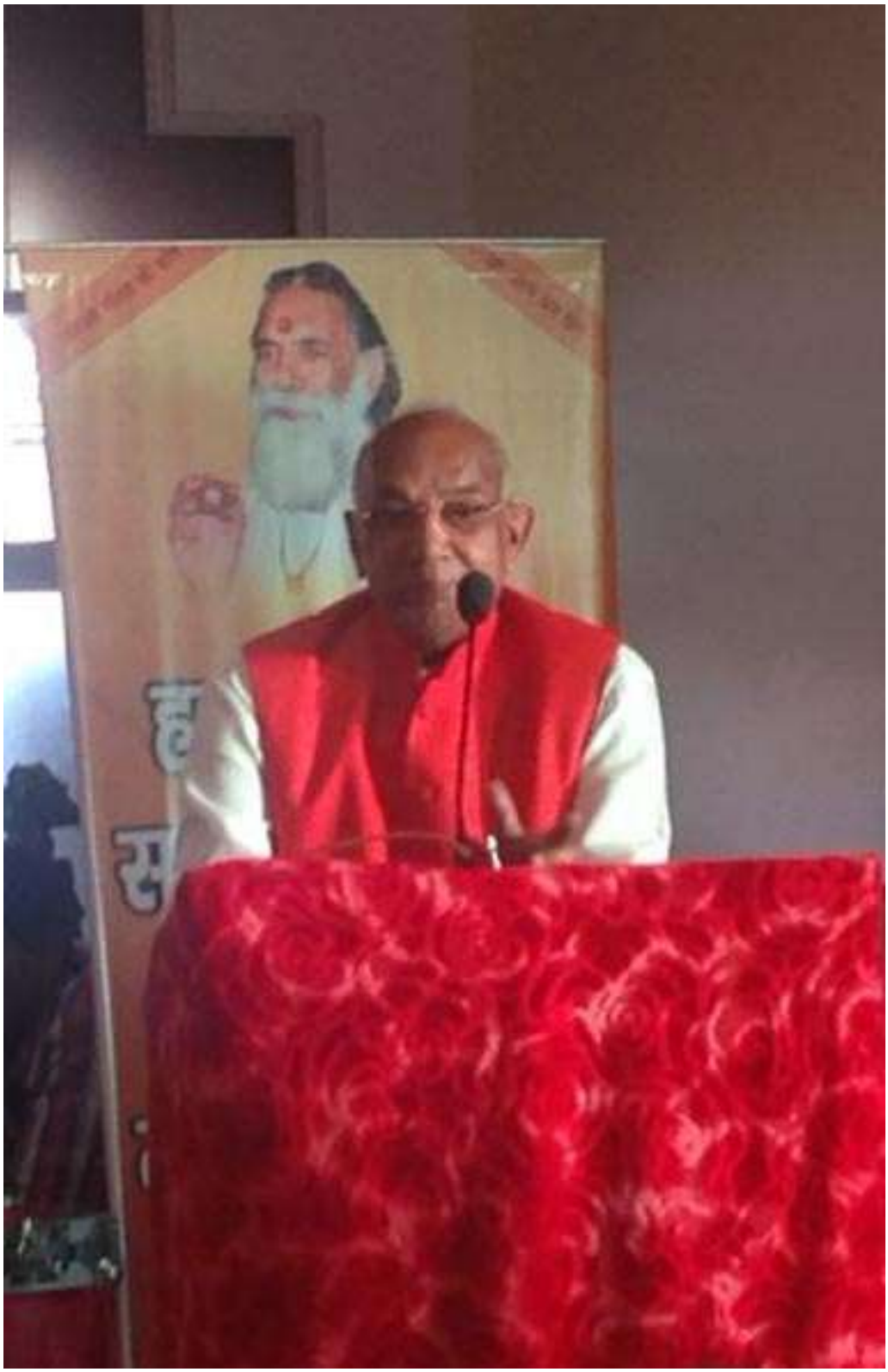

श्री कृष्ण कृपा